प्रश्न ३ :- रिक्तता ओ पूर्णता: शीर्षक कथाक विवेचना करु।

उत्तर :- यात्री जी जनवादी भावनासँ प्रेरित भऽ साहित्य-सर्जन करैत प्रस्तुत निबन्धमे सिद्ध कयलनि जे कोनो वस्तुक महत्ता तावत बढ़ि जाइत अछि जावत ओकर आधिकाधिक उपकार होइछ। जे वस्तु वा व्यक्ति लोकक उपकार नहि होइत अछि ओ नगण्य सिद्ध भऽ जाइछ।

ग्रीष्मक खातिर गाम सँ दूर शान्ताक कातमे छोट-छोट पोखरि खुनैत छथि, जकर जल बड़ स्वच्छ आ स्वादिष्ट छलैक। पियासल पथिक, पशु-पक्षी सभ केओ ताहि जलकेँ पीबि आत्माकेँ तृप्त करैत छथि। आषाढ़ मासक कारी-कारी मेघक जल सँ हि पोखरिकेँ भरि देलक जकरा सूर्य सोखैत-सोखैत थाकि जाइत। जावत पूर्ण वर्षा भेल ओ पोखरि उब-डुब करय लागल आ जलदेवताकेँ अपन पूर्णता पर अभिमान भऽ गेलनि।

शरद, शिशिर आ वसन्त ऋतु क्रमशः आयल मुदा कियो ओहि ठाम जल पीबाक हेतु नहि आयल पशु-पक्षी ताहि जलक उपेक्षा कऽ देलक। पोखरिक पानि पीरा गेलैक पोखरि सोहरि गेलैक आ छोट-छोट कीड़ा सोहरि गेलैक पोखरिक जल दुर्गन्ध करय लागल जल देवता दोगल सभकेँ दुर्गन्ध करय लागल जल देवता ... बाट चलब त्यागि देलका, पशु-पक्षी सेहो ताहि मार्गकेँ छोड़ि देलकैक तावत ... आरम्भ भेल जल-

देवता भगवान के स्तुति सँ प्रार्थना करैत
छथि जलाशयकेँ स्वच्छ बना दिअ। आकाश
-वाणी भेल स्वच्छ आ पूर्णता उद्दें मे कीचा
ताकन जल देवता स्वच्छताक याचना करैत
छथि प्रकारें देखैत छी पूर्ववत् रूपमे देवता
कृपा सँ पानिक सदावर्त आरम्भ भेल आ
विष्णु दितक परिवर्तित विकृपाय आ भेल आब
जल देवताकेँ पूर्ण प्रसन्नता भेल भावित अछि
छथि माजी कवि रहीम कविक एहि वाणीसँ
विशेष रूपेँ प्रभावित छथि।

धनि रहीम जलपंक को लघु जिय पियत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पियासो जाय॥

मैथिली (प्रतिष्ठा)
Paper - II

प्रश्न :- शिक्षा शीर्षक निबन्ध पर विचार व्यक्त करू।

उत्तर :- शिक्षाक मुख्य रूप सँ चारि भेद होइत अछि - शारीरिक, मानसिक, धार्मिक आ नैतिक, चारू प्रकारक शिक्षासँ मानव केँ चारि प्रकारक शक्ति उत्पन्न होइत अछि जे मुख्यधारित साधन बनि जाइछ एहि मे शारीरिक आ मानसिक शिक्षाक अटूट सम्बन्ध अछि। शारीरिक शिक्षाक अभाव मे स्वास्थ्य नष्ट भए जाइछ एहि लेल मानसिक शक्ति केँ सुदृढ़ करबाक हेतु बाल्य अवस्था सँ सुरक्षित राखब आवश्यक अछि जाहि सँ मानसिक शक्तिक ह्रास नहि होएत प्रारम्भिक जीवनमें कएल व्यायाम वृद्धावस्था धरि शरीर केँ स्वस्थ आ सुसंगठित रखैत अछि। एहन स्थिति मे शारीरिक आ मानसिक स्फूर्ति समान रूप सँ देब-आनब करब आवश्यक होइछ। मिथिला मे मैथिल जातिक बालक विशेष करु संस्कृत पढ़निहार केँ एहि गुणक अभाव होइत अछि। ओ लोकनि शारीरिक शिक्षा व्यायाम आदि केँ हास्यास्पद बुझि सतत अवहेलना करैत छथि। परिणाम ई होइत अछि जे ओ प्राय: अशक्त बनल रहैत छथि।

धार्मिक शिक्षाक संग नैतिक शिक्षा सत एवं असत उचित - अनुचित सुकर्म एवं कुकर्म मे अन्तर स्पष्ट करैत अछि। शरीर एवं मन देह सँ एहि शिक्षाक घनिष्ठ सम्बन्ध अछि। मिथिलामे अतीत काल सँ एहि समाजक दूर-दूर सँ आएल शिक्षार्थी एहि चालि

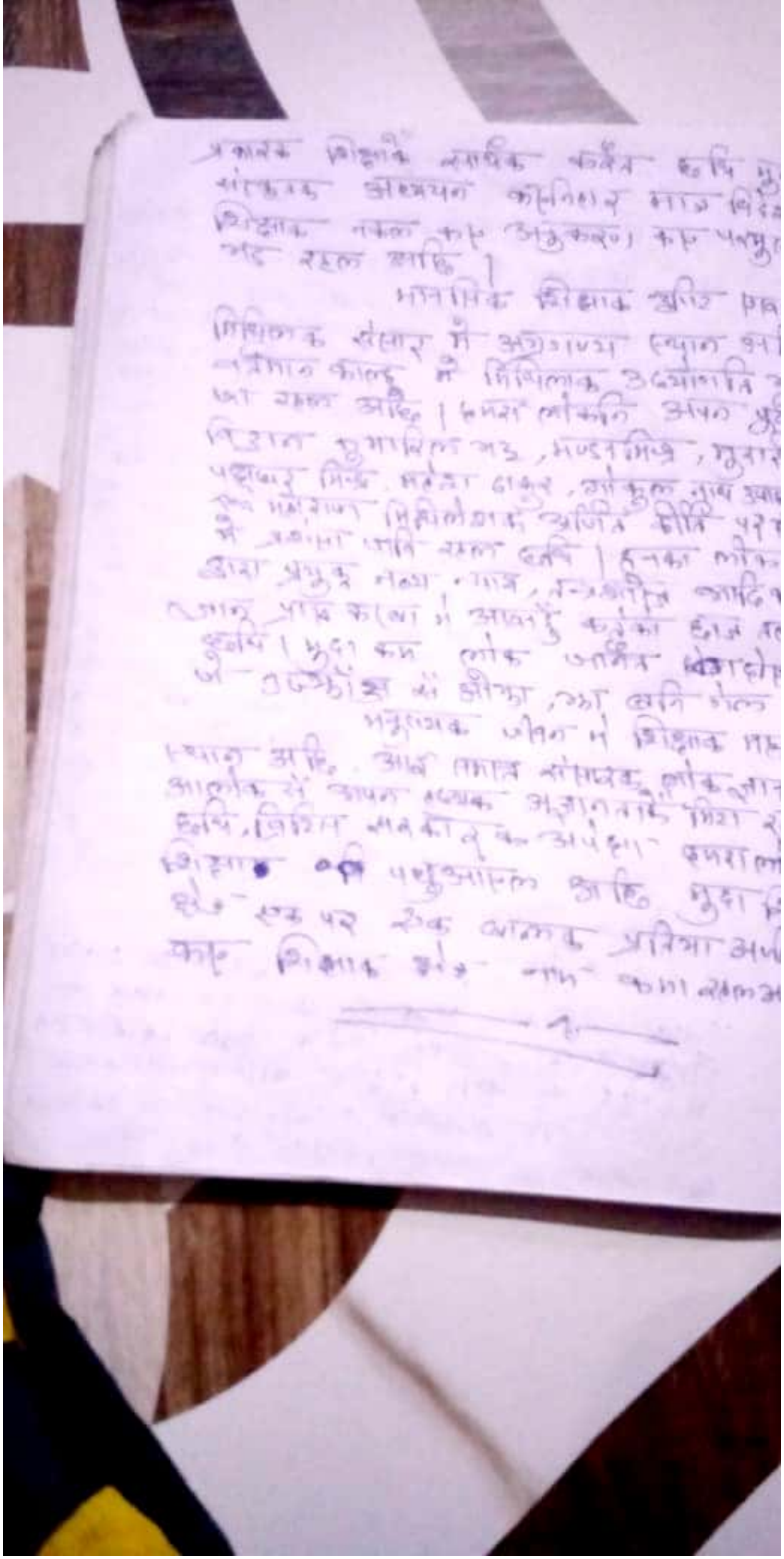

प्रकारक शिक्षाकेँ सर्वाधिक कर्रैत छथि मु
संस्कृतक अध्ययन कनिकार मात्र मिर
शिक्षाक नकल कए अनुकरण कए पश्चा
भऽ रहल अछि ।

मानसिक शिक्षाक दृष्टि प्र
मिथिलाक संसार मेँ अग्रगण्य स्थान छ
वर्तमान कालहु मे मिथिलाक उद्योगादि
भऽ रहल अछि । हमरा लोकनि अपन पूर्
विद्वान कुमारिल भट्ट, मण्डन मिश्र, मुरारि
पक्षधर मिश्र, महेश ठाकुर, गोकुलनाथ उपा
सन महामान्य मिथिलावासीक अर्जित कीर्ति पर
मे अग्रगण्य भति रहल छथि । हिनका लोक
द्वारा प्रयुक्त न्याय, व्याकरण, नन्दकीर्ति आदि
सभक प्रति कर्णि मे आदर्श करैत छाउ त
छथि । मुदा कम लोक जानैत छथि
जे उपेक्षा मे शीघ्र, जा छनि बेल

मनुष्यक जीवन मे शिक्षाक मह
स्थान अछि। आई समाज सोमरक लोक ज्ञान
आलोक सँ अपन स्वयंक अज्ञानताकेँ मिटा र
छथि, ब्रिटिश सरकारक अपेक्षा हमरा लो
शिक्षा ● पश्चगामिता अछि मुदा शि
छैक एक पर एक बालक प्रतिभा अभ
कारण शिक्षा छैक नाम कामा लेलक अ

प्रकारक शिक्षाकें सार्थक करैत छथि मुदा संस्कृतक अध्ययन कनिहार मात्र विदेशी शिक्षाक नकल कए अनुकरण कए परमुखापेक्षी भऽ रहल अछि।

मानसिक शिक्षाक क्षेत्र मिथिलाकें मिथिलक संसार मे अग्रगण्य स्थान अछि वर्तमान कालहु मे मिथिलाक अधोगति भेल जा रहल अछि। हमरा लोकनि अपन पूर्वज विद्वान कुमारिल भट्ट, मण्डन मिश्र, मुरारि मिश्र, पक्षधर मिश्र, महेश ठाकुर, गोकुल नाथ उपाध्याय एवं महाराज मिथिलेशक अर्जित कीर्ति पर संसार मे प्रशंसा पाबि रहल छथि। हिनका लोकनि द्वारा प्रयुक्त नव्य न्याय, तन्त्रशास्त्र आदिक ज्ञान प्राप्त करबा मे आबहुँ कतेका छात्र तल्लीन छथि। मुदा कम लोक जानैत होएताह जे उपरोक्त सँ ओझा, झा बनि गेल

मनुष्यक जीवन मे शिक्षाक महत्वपूर्ण स्थान अछि. आई समस्त संसारक लोक ज्ञानक आलोक सँ अपन हृदयक अज्ञानताकें मिटा रहल छथि, ब्रिटिश सरकारक अपेक्षा हमरा लोकनि शिक्षा पछुआएल अछि मुदा शिक्षा क्षेत्र एक पर एक बालक प्रतिभा अछि काल्हि शिक्षाक क्षेत्र नाम कमा रहल अछि

—:—